भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2088

दिनांक 01 अगस्त, 2025 को उत्तर के लिए

स्मार्ट पोषण आंगनवाड़ी प्रमाणन

2088. श्री चिन्तामणि महाराज:

श्री अनुराग शर्मा :

श्री दुलू महतो :

डॉ. राजेश मिश्रा :

डॉ. मन्ना लाल रावत:

श्री पी.पी. चौधरी:

श्रीमती विजयलक्ष्मी देवी:

श्री संध्या राय:

श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:

श्रीमती रूपकुमारी चौधरी:

श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा:

श्रीमती कमलजीत सहरावत:

श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर:

श्री भोजराज नाग:

श्रीमती स्मिता उदय वाघ:

सुश्री बांसुरी स्वराज:

श्री आलोक शर्मा:

सुश्री कंगना रनौत:

श्रीमती कमलेश जांगड़े:

श्री जगदम्बिका पाल:

श्री विनोद लखमशी चावड़ा:

श्री राजकुमार चाहर:

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में 'स्मार्ट पोषण आंगनवाड़ी प्रमाणन' लागू किया गया है और यदि हां, तो इनकी स्थिति क्या है और राज्यवार, संघ राज्य क्षेत्र-वार और जिलावार प्रमाणित आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या पोषण पखवाड़ा के दौरान आयोजित जागरुकता सत्रों की प्रभावशीलता के संबंध में आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं से जानकारी प्राप्त हुई है;

(ग) यदि हां, तो इन मूल्यांकनों से प्राप्त प्रमुख निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है और कार्यक्रम की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए विशेष रूप से राज्यवार और जिलावार क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(घ) क्या स्मार्ट पोषण आंगनवाड़ी के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है और यदि हां, तो गुजरात के दाहोद सहित राज्यवार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या दाहोद में आंगनवाड़ी के लिए कोई नई योजना प्रस्तावित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या ?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (ङ): मिशन सक्षम आंगनबाडी एवं पोषण 2.0 के तहत अभी तक, बेहतर पोषण प्रदायगी और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा प्रदान करने के लिए 2 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ियों के रूप में उन्नयन करने की स्वीकृति दी जा चुकी है। सक्षम आंगनवाड़ियों को पारंपरिक आंगनवाड़ियों की तुलना में बेहतर बुनियादी ढाँचा प्रदान किया जाता है जिसमें इंटरनेट/वाई-फाई

कनेक्टिविटी, एलईडी स्क्रीन, वाटर प्यूरीफायर/आरओ मशीन की स्थापना और स्मार्ट लर्निंग उपकरण शामिल हैं।

सक्षम आंगनवाड़ी के रूप में उन्नत किए जाने के लिए अनुमोदित आंगनवाड़ी केंद्रों की राज्यवार सूची **अनुलग्नक-I** में दी गई है।

सरकार ने सभी मिनी आंगनवाड़ी केंद्रों को पूर्ण आंगनवाड़ी केंद्रों में उन्नयन करने का नीतिगत निर्णय भी लिया है जिनमें प्रत्येक में एक कार्यकर्त्री और एक सहायिका होगी जो मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत विभिन्न जिम्मेदारियों को पूरा करने में सहायता करेगी, जिसमें प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा से संबंधित जिम्मेदारियां भी शामिल हैं। 08.07.2025 तक 1,11,363 लघु-आंगनवाड़ी केन्द्रों को मुख्य आंगनवाड़ी केन्द्रों में उन्नयन करने की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

इस मिशन के अंतर्गत, प्रमुख गतिविधियों में से एक सामुदायिक जुटाव और जागरूकता अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को पोषण संबंधी पहलुओं के बारे में शिक्षित करना है, क्योंकि अच्छी पोषण संबंधी आदतों को अपनाने के लिए व्यवहार परिवर्तन हेतु निरंतर प्रयासों की आवश्यकता होती है। समुदाय-आधारित कार्यक्रम (सीबीई) पोषण संबंधी आदतों में बदलाव लाने में एक महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में कार्य कर रहे हैं, और सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रति माह दो सीबीई आयोजित करने की आवश्यकता होती है। जन आंदोलन के अंतर्गत, 2018 से पोषण पखवाड़ा और राष्ट्रीय पोषण माह क्रमशः मार्च-अप्रैल और सितंबर में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। अब तक कुल 7 पोषण माह और 7 पोषण पखवाड़ा आयोजित किए जा चुके हैं। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने 18 से अधिक साझेदार मंत्रालयों/विभागों के साथ समन्वय में मातृ पोषण के महत्व, स्तनपान की उपयुक्त तकनीक, पूरक आहार की समय पर शुरुआत का महत्व, जीवन के पहले 1000 दिन, पोषण के पंच सूत्र, एनीमिया, जनजातीय संवेदीकरण, मिलेट (श्री अन्न) संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण, ईसीसीई इत्यादि सहित विभिन्न विषयगत क्षेत्रों के आसपास 140 करोड़ से अधिक आउटरीच गतिविधियों की सूचना दी है। इसके अलावा, 2021 में, विश्व बैंक ने कार्यक्रम के तहत पोषण सेवाओं की प्रदायगी का आकलन करने के लिए 11 प्राथमिकता वाले राज्यों में सर्वेक्षण किया। निष्कर्षों से पता चला कि पोषण अभियान के माध्यम से प्रदान की गई सेवाएं - प्रासंगिक संदेशों की प्राप्ति, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा गृह दौरे, और समुदाय-आधारित कार्यक्रमों में उपस्थिति - बेहतर पोषण व्यवहार के साथ सह-संबंधित थीं।। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि कार्यक्रम के पोषण संदेश

80% से अधिक महिलाओं तक पहुँचे और 81% महिलाओं ने पहले छह महीनों तक केवल स्तनपान कराया।

पोषण भी पढ़ाई भी (पीबीपीबी) पहल के अंतर्गत, मंत्रालय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सभी अधिकारियों और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के व्यापक मॉडल के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है जिसमें मास्टर प्रशिक्षकों (अर्थात्, जिला अधिकारी, ब्लॉक समन्वयक और पर्यवेक्षक) को प्रशिक्षित किया जाता है और मास्टर प्रशिक्षक आगे सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को क्षेत्रीय स्तर पर प्रशिक्षित करते हैं। 28 जुलाई 2025 तक, देश भर में 5,71,667 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। गुजरात राज्य में, "पोषण भी पढ़ाई भी" पहल के अंतर्गत 4122 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया है।

पीबीपीबी के अंतर्गत प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्रवार संख्या का विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

****

अनुलग्नक-I

स्मार्ट पोषण आंगनवाड़ी प्रमाणन के संबंध में दिनांक 01.08.2025 के लोक सभा प्रश्न संख्या 2088 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लेखित अनुलग्नक

सक्षम आंगनवाड़ी के रूप में उन्नयन किए जाने के लिए अनुमोदित आंगनवाड़ी केंद्रों की राज्यवार सूची इस प्रकार है::

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**अभी तक उन्नयन के लिए अनुमोदित आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या**
1	आंध्र प्रदेश	9958
2	बिहार	11529
3	छत्तीसगढ़	11490
4	गुजरात	13147
5	हरियाणा	2804
6	हिमाचल प्रदेश	1030
7	जम्मू एवं कश्मीर	338
8	झारखंड	16775
9	कर्नाटक	17732
10	केरल	4152
11	मध्य प्रदेश	24662
12	महाराष्ट्र	14745
13	ओडिशा	12140
14	पंजाब	353
15	राजस्थान	3514
16	तमिलनाडु	11972

17	तेलंगाना	5008
18	उत्तर प्रदेश	23697
19	उत्तराखंड	827
20	पश्चिम बंगाल	5359
21	अरुणाचल प्रदेश	152
22	असम	5407
23	मणिपुर	30
24	मेघालय	121
25	मिजोरम	1600
26	नागालैंड	149
27	सिक्किम	435
28	त्रिपुरा	474
29	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	140
30	गोवा	24
31	पुद्दुचेरी	135
32	चंडीगढ़	69
33	लद्दाख	14
34	दिल्ली	0
35	दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	0
36	लक्षद्वीप	18
	कुल	**200000**

अनुलग्नक-II

स्मार्ट पोषण आंगनवाड़ी प्रमाणन के संबंध में दिनांक 01.08.2025 के लोक सभा प्रश्न संख्या 2088 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लेखित अनुलग्नक

28 जुलाई 2025 तक पीबीपीबी के तहत प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार संख्या का विवरण इस प्रकार है:

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के नाम	**प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की संख्या**
भारत	5,71,667
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	733
आंध्र प्रदेश	53328
अरुणाचल प्रदेश	1377
असम	23180
बिहार	90264
चंडीगढ़	548
छत्तीसगढ़	11071
दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	240
दिल्ली	10412
गोवा	1148
गुजरात	4122
हरियाणा	8044
हिमाचल प्रदेश	0
जम्मू और कश्मीर	24931
झारखंड	11760
कर्नाटक	426
केरल	15198

लद्दाख	1153
लक्षद्वीप	0
मध्य प्रदेश	91458
महाराष्ट्र	36132
मणिपुर	4576
मेघालय	2122
मिजोरम	2357
नागालैंड	3729
ओडिशा	8722
पुद्दुचेरी	616
पंजाब	7922
राजस्थान	57948
सिक्किम	387
तमिलनाडु	445
तेलंगाना	0
त्रिपुरा	3192
उत्तर प्रदेश	46432
उत्तराखंड	5171
पश्चिम बंगाल	42522
कुल	**5,71,667**

*****